भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1256

28.07.2025 को उत्तर के लिए

बाघ अभयारण्य के बाहर बाघ परियोजना

1256. एडवोकेट डीन कुरियाकोस:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बाघ अभयारण्यों के बाहर बाघ (टीओटीआर) परियोजना शुरू की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त परियोजना के अंतर्गत क्या दिशानिर्देश जारी किए गए हैं तथा कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) क्या इन संघर्षों के कारण हुई मौतों से होने वाले नुकसान के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कोई अध्ययन किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त परियोजना केरल के इडुक्की और वायनाड जिलों में क्रियान्वित किए जाने की संभावना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क), (ख), (ग) और (घ): राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण ने बाघ अभयारण्य के बाहर बाघों के प्रबंधन के लिए एक परियोजना तैयार की है जो मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने की निवारक रणनीति है। यह परियोजना दस्तावेज राज्यों से एकत्रित मानव-वन्यजीव संघर्ष के आंकड़ों के साथ-साथ अखिल भारतीय बाघ आकलन कार्यकलाप के 5वें चक्र से संगृहीत वैज्ञानिक आंकड़ों पर आधारित है।

मंत्रालय इस परियोजना पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है।

*****